Publication: Indore Samachar
Edition: Indore
Date: 27.9.14
Page No: 5
Headline: 18 % males and females are suffering from heart diseases risk

इंदौर में 18 प्रतिशत पुरूषों और महिलाओं के हृदय संबंधी रोगों से ग्रस्त होने का खतरा

इंदौर। कार्डियोवैस्क्युलर डिजीजेज (सीवीडी) दुनिया भर में अक्षमता और मौतों का एक प्रमुख कारण है। पबमेड रिपोर्ट के अनुसार, अकेले भारत में तकरीबन 25 प्रतिशत लोगों की मृत्यु कार्डियोवैस्क्युलर (हृदय संबंधी) संबंधी रोगों के कारण होती है और वर्ष 2023 तक समूची दुनिया की तुलना में देश में हृदय से संबंधित रोगों से ठास्त मरीजों की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक हो जायेगी। दुनिया भर में 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे (विश्व हृदय दिवस) मनाया जाता है।

इंडस हेल्थ प्लस ने आज एक ऐब्नॉर्मैलिटी रिपोर्ट जारी की, जिसमें यह खुलासा किया गया है कि इंदौर में युवाओं के बीच कार्डियोवैस्क्युलर रोगों के मामले 20 प्रतिशत तक बढ गये हैं। इस रिपोर्ट के प्रमुख तथ्य निम्नलिखित हैं :

18 प्रतिशत पुरूषों और महिलाओं के हृदय संबंधी रोगों के शिकार होने का खतरा है

7-10 प्रतिशत लोग पारिवारिक इतिहास के कारण हृदय संबंधी रोगों से ग्रस्त हैं।

30 से 35 वर्ष की उम्र की 5 प्रतिशत महिलायें हृदय संबंधी रोगों की शिकार है

हृदय संबंधी रोगों से पीडित 14 प्रतिशत लोग सीने में दर्द की शिकायत करते हैं।

हाइपरटेंशन के कारण लोगों में सीवीडी का खतरा बढ रहा है।

युवा महिलाओं में कोलेस्ट्रॉल के स्तर में बढोतरी के कारण सीवीडी का खतरा बढ रहा है। जंक फूड एवं तले-भुने आहार, प्रसंस्कृत और डब्बा बंद खाद्य पदार्थों के बढते सेवन और व्यायाम की कमी ने हृदय रोगों के जोखिम को बढा दिया है।

शारीरिक गतिविधियों में कमी और अधिक तले-भुने आहार के सेवन ने लोगों को मोटापे का शिकार बना दिया है और इस प्रकार हृदय रोगों का खतरा बढ रहा है। सीने में दर्द की शिकायत को आमतौर पर नजरअंदाज किया जाता है, जो कि पुरूषों में अचानक हृदय आघात में बढोतरी का एक प्रमुख मूक लक्षण है। प्रदूषण और धूम्रपान की आदतों के कारण गत वर्ष की तुलना में हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ गया है।

अमोल नायकवाडी, प्रीवेंटिव हेल्थकेयर स्पेशलिस्ट एवं जेएमडी इंडस हेल्थ प्लस ने कहा, "मौजूदा परिदृष्य की तात्कालिकता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि भारत में सर्वाधिक सीवीडी मरीज अपनी उत्पादक उम्र में ही इस रोग का शिकार हो जाते है।

इंडस हेल्थ प्लस ऐब्नॉर्मैलिटी रिपोर्ट
जनवरी 2013- अगस्त 2014
जांच में शामिल हुये लोगों की कुल संख्या

	इंदौर	
	पुरूष	महिला
	11917	8213
	प्रतिशत में	
हाइपरटेंशन	2.06	4.32
हृदय संबंधी समस्या	3.37	2.89
मोटापा	8.26	7.49
हाइपरलिपिडेमिया/एथरोस्केलेरोसिस	6.39	7.14
विटामिन बी 12	9.64	9.95

Publication: Swadesh
Edition: Indore
Date: 27.9.14
Page No: 7
Headline: Indus Health Plus reveals abnormality report

इंडस हेल्थ प्लस ऐब्नॉर्मेलिटी रिपोर्ट में खुलासा

इंदौर। कार्डियोवैस्क्युलर डिजीजेज (सीवीडी) दुनियाभर में अक्षमता और मौतों का एक प्रमुख कारण हैं। पबमेड रिपोर्ट के अनुसार अकेले भारत में तकरीबन 25 प्रतिशत लोगों की मृत्यु कार्डियोवैस्क्युलर (हृदय संबंधी) रोगों के कारण होती है और वर्ष 2023 तक समूची दुयिा की तुलना में देश में हृदय से संबंधित रोगों से ग्रस्त मरीजों की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। दुनियाभर में 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे (विश्व हृदय दिवस) मनाया जाता है। यह वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन द्वारा की गई एक वैश्विक पहल है और इसका उद्देश्य लोगों को कार्डियोवैस्क्युलर रोगों के संबंध में शिक्षित करना और जागरूक बनाना है। इस वर्ष का विषय है- सेहतमंद हृदय के लिए पर्यावरण को स्वस्थ बनाए रखने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना। इंडस हेल्थ प्लस ने आज एक ऐब्नॉर्मेलिटी रिपोर्ट जारी की, जिसमें यह खुलासा किया गया है कि इंदौर में युवाओं के बीच कार्डियोवैस्क्युलर रोगों के मामले 20 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं।